Dr. Vinod Baitha
Marwari college Darbhanga

Economics D.I (H)

उपभोक्ता की बचत

Q उपभोक्ता की बचत से आप क्या समझते हैं? इसे किस प्रकार मापा जा सकता है?

What do you understand by consumers? How is it Measured?

उपभोक्ता की बचत का सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक महत्व है। उपभोक्ता के आर्थिक कल्याण की दृष्टि से उपभोक्ता की बचत का अपना विशेष महत्व है। इस सिद्धांत की कल्पना सर्वप्रथम सन् 1844 में एक फ्रांसीसी अर्थशास्त्री एवं इन्जीनियर आर.जे. ड्युपिट R.J. Dupit द्वारा की गयी थी। इसके बाद प्रो० मार्शल ने इस धारणा का वैज्ञानिक विश्लेषण 1890 ई० में Principles of Economics में किया। मार्शल ने इसे उपभोक्ता का लगान (Consumers Rent) तथा बाद में उपभोक्ता की बचत consumers surplus के नाम से पुकारा था। वर्तमान समय के अर्थशास्त्रियों इसे क्रेता की बचत के नाम से भी जानते हैं। मार्शल के बाद प्रो० हिक्स ने इस विचार को तटस्थता वक्र की सहायता से प्रस्तुत किया है।

उपभोक्ता की बचत की परिभाषा कई अर्थशास्त्रियों ने अपने अपने दृष्टिकोण से दी है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार उपभोक्ता की बचत को इस प्रकार से परिभाषित किया है। जो निम्नलिखित हैं।

1. प्रो० मार्शल – ने इस सिद्धान्त की परिभाषा में कहा है कि "किसी वस्तु के उपभोग से वंचित रहने की अपेक्षा उपभोक्ता जो कीमत देने के लिए तत्पर रहता है तथा वास्तव में, जो कीमत देता है, उसके अंतर को उपभोक्ता की बचत कहते हैं।"

2. टॉजिग के अनुसार "समस्त तुष्टिगुण और समस्त विनिमय कीमत को मापने वाली राशियों का अंतर ही उपभोक्ता की बचत है"

3. प्रो० जे. के. मेहता के शब्दों में "किसी वस्तु के

Scanned by CamScanner

मनुष्य जो उपभोक्ता की बचत प्राप्त करता है, वह उस वस्तु से मिलने वाली संतुष्टि तथा उससे प्राप्त करने के लिए त्यागी गई संतुष्टि का अंतर है।"।

4. पैन्सन के अनुसार " हम जो कुछ देने को तैयार हो जाएंगे और जो हमें देना होता है, उन दोनों के अंतर को उपभोक्ता की बचत कहा जाता है। "

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर उपभोक्ता की बचत की साधारण परिभाषा इस प्रकार भी दी जाती है " उपभोक्ता किसी वस्तु या सेवा के उपभोग से वंचित रहने की अपेक्षा उस वस्तु या सेवा के लिए जो मूल्य दे सकता है, और जो मूल्य वह वास्तव में देता है, उन दोनों का अंतर ही उपभोक्ता की बचत है। "

इस तरह उपभोक्ता की बचत का अपना विशेष महत्व है।

उपभोक्ता की बचत की माप, उपभोक्ता के बचत आधार, अथवा उपभोक्ता की बचत की आरम्भ अथवा उपभोक्ता की बचत की माप करने के लिए दो विचारधारायें हैं।

① प्रो० मार्शल की धारणा – कुल लागत तथा सीमान्त उपयोगिता में अंतर

② आर.जे. हिक्स की धारणा तटस्थता वक्रों द्वारा उपभोक्ता की माप की जाती है।

प्रो० मार्शल के अनुसार " एक उपभोक्ता किसी वस्तु की उतनी कीमत देने के लिए तैयार रहता है जितनी उस वस्तु के उपभोग से उसे कुल उपयोगिता प्राप्त होती है, उपयोगिता ह्रास नियम के कारण एक उपभोक्ता उपभोग की जाने वाली वस्तु की प्रथम इकाई के लिए अन्य इकाइयों की अपेक्षा अधिक त्याग करना पड़ता है। क्योंकि पहली इकाई की उपयोगिता बाद की इकाइयों से अधिक रहती है। परन्तु उपभोक्ता सभी इकाइयों को समान मूल्य देता है। उपभोक्ता का यह क्रम तब तक चलता रहता है जब तक वस्तु से प्राप्त होने वाली सीमान्त उपयोगिता कीमत के बराबर नहीं हो जाती है। उपभोग के इस क्रम में सीमान्त इकाई से पूर्व की सभी इकाइयों की सीमान्त उपयोगिता कीमत से अधिक होती है, इसलिए उपभोक्ता को सीमान्त इकाई से पूर्व प्रत्येक इकाई से कुछ-न-कुछ बचत अवश्य प्राप्त होती है यह उपभोक्ता की बचत है।

Scanned by CamScanner

इस प्रकार कुल उपयोगिता तथा सीमान्त उपयोगिता के अंतर से यह स्पष्ट होता है कि उपभोक्ता को एक वस्तु की क्रय की जाने वाली अंतिम इकाई से पहले वह जितनी इकाइयों का क्रय करता है उनसे अंतिम इकाई से प्राप्त होने वाली सीमान्त उपयोगिता की अपेक्षा अधिक उपयोगिता प्राप्त होगी। प्रत्येक वस्तु के विभिन्न इकाइयों से प्राप्त होने वाले इस आधिक्य के प्रयोग को ही उपभोक्ता की बचत कहते हैं।

Scanned by CamScanner